डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी में पहली बार दलित अंग्रेजी कवियों को मिला मंच

दलित लेखन का भविष्य बहुत उज्ज्वल – के. श्रीनिवासराव

नई दिल्ली। 17 जुलाई 2018। साहित्य अकादेमी द्वारा भारतीय दलित अंग्रेजी कवियों पर केंद्रित 'साहित्य मंच' कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पहली बार है कि साहित्य अकादेमी ने अंग्रेजी दलित कविता को मंच प्रदान किया है।

कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी दलित रचनाकारों का स्वागत करते हुए दलित लेखकों और उनके लेखन को बढ़ावा देने के लिए अकादेमी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अकादेमी द्वारा आयोजित विभिन्न दलित लेखक सम्मिलनों और अकादेमी से दलित रचनाकारों की प्रकाशित पुस्तकों के बारे में भी जानकारी देते हुए कहा कि साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं –*समकालीन भारतीय साहित्य, इंडियन लिटरेचर* तथा *संस्कृत प्रतिभा* में भी दलित लेखन को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाता है। उन्होंने समकालीन दलित लेखन की रचनात्मकता और उसकी शक्ति के प्रति आश्वस्ति व्यक्त करते हुए कहा कि मौजूदा समय में दलित लेखन को न सिर्फ भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि दलित लेखन का भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

इस कार्यक्रम में चंद्रमोहन एस., योगेश वनजारी, सिंथिया स्टीफन, अपर्णा लांजेवर बोस तथा अरुणा गोगुलमांडा ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। सभी कवि/कवयित्रियों ने काव्य–पाठ से पहले अपनी रचना–प्रक्रिया के बारे में बताया। मलयाळम् और अंग्रेजी के कवि चंद्रमोहन एस. ने अपनी कविता में दलित अनुभवों के साथ साथ अन्य हाशिये के जीवन और उनकी समस्याओं के बारे में बहुत संवेदना के साथ प्रस्तुति की। मराठी और अंग्रेजी के युवा कवि तथा अनुवादक योगेश वनजारी ने भाषा द्वारा किए जा रहे शोषण के स्वरूप को अपनी कविताओं के माध्यम से प्रश्नांकित किया। बेंगलुरु से आईं कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार और सामाजिक नीति शोधकर्त्री सिंथिया स्टीफन तथा अमेरिकी और अफ्रीकी क्रांति साहित्य की अध्येता, त्रैभाषी रचनाकार, अनुवादक और समालोचक अपर्णा लांजेवर बोस ने अपनी कविताओं के माध्यम से सामाजिक विषमताओं और जातिगत मतभेदों को रेखांकित किया। तेलुगु और अंग्रेजी कवयित्री अरुणा गोगुलमांडा ने इस तरह के पहले कार्यक्रम के आयोजन हेतु अकादेमी को बधाई दी। उन्होंने स्त्री शोषण तथा समाज की विभिन्न समकालीन समस्याओं पर केंद्रित अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम में भारी संख्या में युवा साहित्यप्रेमी उपस्थित थे। साहित्य अकादेमी की अंग्रेजी पत्रिका *इंडियन लिटरेचर* के अतिथि संपादक ए.जे. थॉमस ने कार्यक्रम का संचालन किया।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in